Press Clipping

Publication : **Mahaka Bharat**

Date : **Saturday, April 21, 2012**

Edition : **Jaipur**

Page : **09**

‘Student from Bharti Foundation’s Satya Bharti School wins Gold Medal and Trip to USA for her Campaign for Widows in Rajasthan’

छात्रा को अवाड्र्स से सम्मानित किया

विधवाओं के उत्थान के लिए प्रमेरिका स्पिरिट ऑफ इंडिया कम्युनिटी अवाड्र्स 2012

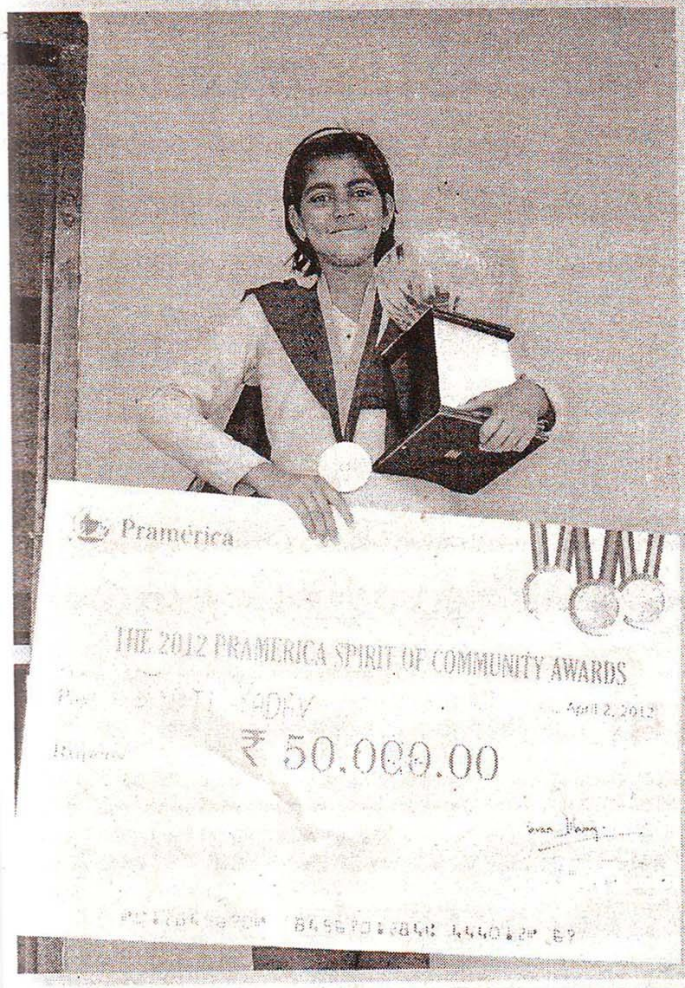

जयपुर/अलवर। सत्य भारती अपर प्राइमरी स्कूल दाबदवास, अलवर की सातवीं कक्षा की छात्रा ज्योति यादव को समाज में विधवाओं के उत्थान के लिए प्रमेरिका स्पिरिट ऑफ इंडिया कम्युनिटी अवाड्र्स 2012 से सम्मानित किया गया । यह पुरुस्कार ज्योति यादव को प्रोफेसर यशपाल कुलपति, जवाहर लाल नेहरु युनिवर्सिटी नई दिगी ने पवन धमीजा, एमडी और सीईओ, डीएलएफ प्रमेरिका, राकेश जिंसी राष्ट्रीय निदेशक एवं महासचिव एसओएस चिल्ड्रेन्स विगेज ऑफ़ इंडिया, अमिता पुरी, सीईओ, चैरिटीस ऐड फाउंडेशन और कई प्रतिष्ठित मेहमानों की उपस्थिति में दिया । ये सब गणमान्य लोग ज्योति की होंसला अफ्जाई करने आये थे । ज्योति यादव ने 3000 से अधिक मुख्य रूप से शहरी स्कूली बच्चों के साथ प्रतिस्पर्धा कर फाइनल में जग़ह बनायीं, जहां से प्रमेरिका स्पिरिट ऑफ इंडिया कम्युनिटी अवाड्र्स 2012 के देश के सर्वश्रेष्ट दो सम्मानों में से एक की हकदार बनी। ज्योति अब 2012 मई में वाशिंगटन डीसी में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी इसके अलावा ज्योति को 50000 रूपये नकद के साथ स्वर्ण पदक भी दिया गया । जीत के बारे में बोलते हुए, ज्योति ने कहा कि मैं बहुत खुश हूं कि मैंने यह पुरूस्कार जीता है, 'यह मेरे लिए बहुत खास है, क्योकि में इस अभियान के माध्यम से अपनी माँ और हमारे गांव की अन्य ऐसी महिलाओं के प्रति होने वाले व्यवहार को बदलना चाहती हूं'। ज्योति अलवर के दाबदवास, गांव में एक आर्थिक रूप से पिछड़े परिवार से तागुक रखती है । 2010 में उसके पिता की मृत्यु के बाद ज्योति के परिवार के पास आय का नियमित स्रोत नहीं था और अक्सर भोजन के लिए भी पड़ोसियों पर निर्भर रह्ना पडता था जिसके बदले में उसकी माँ उनके घर काम किया करती थी । विधवा होने के बाद उसकी मां के साथ उसके रिश्तेदारों और गांव के लोगों का व्यवहार बहुत खराब था, अक्सर गाँव के शादी समारोहों से उन्हें दूर रहने को कहा जाता और भोजन भी नहीं दिया जाता । ज्योति को महसूस हुआ की यह व्यवहार सिर्फ उसके गांव में ही नहीं यही ह हर गाँव का है । यह सब देख और अनुभव करके उसे लगा के यह मुद्दा उठा कर लोगों को जागरूक कर, इन महिलाओं की दुर्दशा के बारे में बताया जाये तथा उन महिलाओं और उनके अधिकारों और गरिमा के लिए लड़ाई लड़ने का फैसला ज्योति ने किया। भारती समूह के भारती फाउंडेशन के सत्य भारती स्कूल कार्यक्रम प्रमुख रूप से ग्रामीण शिक्षा पहल के लिए है । 2006 में शुरू किये गये सत्य भारती स्कूल देश में सबसे बड़ा ग्रामीण गुणवत्ता शिक्षा की पहल है प्रमुख रूप से ग्रामीण इलाकों के वंचित बच्चों मुख्य रूप से बालिका और अल्पसंख्यक समुदायों के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने पर भारती फाउंडेशन का ध्यान केंद्रित रहा है । कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों के समग्र विकास में मदद कर उनको एक स्वाभिमानी और जिम्मेदार नागरिक बनाना है। वर्तमान में छह राज्यों में 33000 से अधिक बच्चे सत्य भारती के 253 स्कूलों में पढते है । इस कार्यक्रम के उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़े पैमाने पर प्रभाव बनाने के लिए गुणवत्तपूर्ण शिक्षा को स्थायी उच्च और विकसित घटकों से आंका है । सत्य भारती स्कूल के छात्रों ने पहले भी डीएलएफ प्रमेरिका पुरस्कार जीता है । किरण बाई फतेहपुर सत्य भारती सरकारी अपर प्राइमरी स्कूल की छात्रा को बाल विवाह अभियान के लिए डीएलएफ प्रमेरिका स्पिरिट ऑफ़ कम्युनिटी अवाड्र्स 2011 में एक विशेष मान्यता पुरस्कार दिया गया था । सत्य भारती स्कूल के छात्रों ने डिजाईन फॉर चेंज स्कूल प्रतियोगिता 2011, 2010 और 2009 में पुरस्कार जीता है । इसके अतिरिक्त भारती फाउंडेशन एक संगठन के रूप में अपने सामाजिक पहल के लिए विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करता रहा है।